हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, रविवार 23 फरवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिले में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

मण्डला। शासकीय कार्यालयों में 31 मार्च 2025 से ई-ऑफिस प्रणाली लागू किया जाना है। जिले में ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिलास्तर पर स्थित कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को ई दक्ष केंद्र मण्डला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। डीआईओ एनआईसी श्रीमती मधु मिश्रा, ई-दक्ष केन्द्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक शैलेष यादव, सुधीर सिंगौर, शिवराम पटेल, अजय खंडेलकर, तनुश्री पाठक द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यो तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय व उपयोग, दस्तावेज़ तैयार करना व अनुमोदन प्रक्रिया, रिपोर्टिंग व फाइल ट्रैकिंग, सुरक्षा उपाय व गोपनीयता इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डीआईओ श्रीमती मधु मिश्रा ने बताया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग सिखाया जा रहा है, ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें। इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी। ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म पर दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग व प्रसंस्करण, कार्यों में पारदर्शिता और कुशलता, समय की बचत एवं प्रक्रिया की गति में सुधार, कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग स्थापित करना है।

खइदेवरी पीपरपानी में नवीन बस स्टैंड होगा उचित

प्रशासन गाजीपुर में कर रहा विचार

*** विभिन्न दृष्टिकोणों से विचार करने की आवश्यकता।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

वर्तमान बस स्टैण्ड और नगर की यातायात व्यवस्था के मद्देनजर बस स्टैण्ड को अन्यत्र स्थापित किये जाने की मांग पिछले काफी समय से विचाराधीन है नया बस स्टैण्ड कहा बनाया जाये इसको लेकर विभागीय रूप से यदि विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया हो कहा नहीं जा सकता चूंकि ऐसा कुछ सार्वजनिक नहीं किया गया हाल ही में जिला कलेक्टर द्वारा गाजीपुर में प्रस्तावित बस स्टैण्ड स्थल के निरीक्षण करने की खबर आई इसके बाद से पुनः पीपरपानी में बस स्टैण्ड स्थापित किये जाने की बातें जोरों से की जा रही है। इस स्थल को लेकर पहले भी जिला प्रशासन को स्थानीय लोगों द्वारा एक मांग पत्र सौंपा गया था।

गाजीपुर में प्रस्तावित बस स्टैण्ड बनने से जबलपुर सड़क पर ही ज्यादा दबाव बनेगा इस सड़क पर पहले से ही इतना दबाव है कि सड़क बनते ही टूटने लगती है दूसरी ओर दुर्घटनायें भी लगातार होती रही है इसके अलावा यदि यहां बस स्टैण्ड बनता है तो फिर रायपुर, डिण्डौरी, सिवनी, बालाघाट, घंसौर आदि क्षेत्रों के लिये जुड़ाव सीधे तौर पर होता नजर नहीं आ रहा कहने का आशय कि इन क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों को बस स्टैण्ड उतरकर लम्बा मार्ग तय करना होगा और यदि इस इस स्टैण्ड तक अन्य क्षेत्रों की बसें पहुंचेगी तो उनमें से अधिकांश शहर से होकर ही जायेंगी जो कि यातायात को बाधित करेंगी। इसके अलावा जबलपुर से आने वाले शहरवासियों को लगभग जबलपुर के बराबर किराया बस स्टैण्ड से शहर आने के लिये देना पड़ सकता है इन सभी संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करते हुये नवीन बस स्टैण्ड की स्थापना की जानी चाहिये।

पीपरपानी सभी दृष्टिकोण से उचित

जिले की मुख्य नदी नर्मदा में पिछले दशकों में झूला पुल, पीपरपानी पुल, बंजरपुल (निर्माणाधीन) का विकास होने पर, मंडला के दक्षिणोत्तर में स्थित प्लानिंग एरिया के ग्रामों का सीधा संबंध शहर से हो गया है। हाल ही में सैंकड़ों ग्रामीणों की मांग पर जिला मुख्यालय से लगभग 05 कि०मी० की दूरी पर नेशनल हाईवे क्रमांक 30. अवंति बायपास ग्राम खड़देवरी पीपरपानी पर स्थित, शासकीय भूमि, (लगभग क्षेत्रफल 2.89 हेक्टेयर ग्राम सेवा भूमि) पर बस स्टैन्ड का निर्माण प्रशासन के समक्ष विचारनीय है। शहरी क्षेत्र के विस्तार अंतर्गत मण्डला शहर, दक्षिण-पश्चिम से तीन ओर नर्मदा नंदी से घिरा हुआ क्षेत्र है, जिसके कारण पिछले कई वर्षों तक मण्डला शहर का फैलाव उत्तर की ओर जबलपुर रोड में हुआ है. इन क्षेत्रों के अंतर्गत ग्राम बिछिया, लालीपुर, कटरा, बिनैका आदि स्थित है। पुराने शहर में फतेह दरवाजा से मुख्य बाजार सराफा, बुधवारी का फैलाव नर्मदा नदी से सीमित होने के कारण दक्षिण पार शहर का फैलाव पूर्णतः रुक गया था। नर्मदा तट पर बने किला घाट, बैद्यघाट एवं रंगरेज घाटी द्वारा आवागमन का साधन सिर्फ बड़ी नौकाओं द्वारा हुआ करता था। नर्मदा नदी में विगत वर्षों में लगातार 03 बड़े पुल निर्माण से, नदी पार लगे प्लानिंग एरिया के क्षेत्र रामबाग, पुरवा पीपरपानी, सूरजकुंड खड़देवरी ग्रामा का सीधा जुड़ाव, शहर के पुराने मुख्य बाजार बुधवारी, जिला मुख्यालय, एवं महराजपुर (रेल्वे स्टेशन) से हो गया है जिस कारण इन क्षेत्रों में शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है। मुख्य कार्यालय गंतव्य व्यवस्था में उपरोक्त विचारित स्थल से जिला मुख्यालय, जिला न्यायालय, चिकित्सालय, उत्कृष्ट विद्यालय, रेल्वे स्टेशन महराजपुर, रा.दु. महाविद्यालय, निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज, लॉ कालेज, आईटीआई, कृषि मंडी इत्यादि कार्यस्थल, सरल मार्गो से 7-8 कि.मी. की दूरी पर सुगमतापूर्ण पहुंच पर है। विचारित स्थल, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान का खटिया गेट (नागपुर रोड) एवं सरही गेट (रायपुर रोड) लगभग 35 कि.मी., रामनगर मोतीमहल-15 कि.मी., काला पहाड-05 कि.मी., चौगान एवं रानीमहल 16 कि.मी., नर्मदा-बंजर संगम घाट महराजपुर जहां पर पुल निर्माणाधीन है -04 कि.मी., सिवनी बम्हनी मार्ग को जोडने के लिए हिरदैनगर टिकरवारा के बीच पुल निर्माणाधीन है- 03 कि.मी., सिद्ध घाट बैनगंगा नदी 35 कि.मी. इत्यादि दर्शनीय एवं ऐतिहासिक स्थलो का केन्द्र बिन्दु है। यह स्थल खुजराहो-बांधवगढ़-चित्र कूट-अमरकंटक-कान्हा नेशनल पार्क पर्यटन लिंक रोड से मात्र 01 कि.मी. की दूरी पर है। यातायात व्यवस्था के अंतर्गत यह स्थल, जबलपुर, रायपुर, नागपुर, बालाघाट, लखनादौन, डिण्डौरी बिलासपुर सिवनी, घंसौर का जंक्शन है, इन शहरों से आने वाले सभी प्रकार के हल्के, भारी वाहनों का आवागमन, मुख्य शहर के अंदर प्रवेश किये बिना अन्यत्र दिशाओं में सुचारू रूप से संभव हो पावेगा। मंडला शहर का विकास एवं आगामी 25 वर्षों के रोडमेप के दृष्टिगत, व्यापक लोकहित में जन आकांक्षाओ के अनुरूप रविचारित स्थल, नेशनल हाईवे क्रमांक 30, अवंति बायपास खड़देवरीर को शासकीय बस स्टैण्ड के रूप में स्थापित करना अति महत्वपूर्ण है।

पीएचई मंत्री ने किया कैलेंडर का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

म.प्र. शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट द्वारा म.प्र. शासन के अधिमान्य पत्रकार एवं दैनिक समाचार पत्र संघ द्वारा तैयार की गई टेबिल कैलेंडर का विमोचन किया गया। कैलेंडर में जिले के पर्यटन, धार्मिक स्थल, एतिहासिक धरोहरों को दर्शाया गया है। इस अवसर पर अधिमान्य पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्री राजेश साहू, दैनिक समाचार पत्र संघ के अध्यक्ष श्री एके बड़ेरिया, श्री सुधार उपाध्याय, श्री राजेन्द्र राजपूत, श्री धर्मेन्द्र पांडे, सैयद जावेद अली, श्री चंद्रेश खरे, श्री विमलेश मिश्रा, श्री सैयद सिकंदर अली, श्री रामकुमार चौरसिया, श्री कृष्णा साहू, श्री नीरज अग्रवाल, श्री जयसिंह यादव, श्री सशांक चौबे, श्री अशोक वर्मा, श्रीमती ममता चौरसिया, श्री आयुष चौरसिया, श्री विकास पाठक, श्री विपिन पांडे, श्री देवेन्द्र चौधरी सहित अन्य पत्रकारगण उपस्थित थे।

उत्कृष्ट विद्यालय में 4 बाल निःक्षय साथी चयनित

मण्डला। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 100 दिवसीय टी.बी. अभियान नि-क्षय शिविर के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला क्षय अधिकारी के निर्देशन में उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला में बाल नि-क्षय साथी चयनित किये गये। बाल नि-क्षय साथी शब्द सरकारी पहल 'निक्षय मित्र' से प्रेरित है, जो व्यक्तियों को क्षय रोगियों को अपनाने और उनकी पोषण और चिकित्सा आवश्यकताओं का पूरा करने का अवसर देता है। इस संदर्भ में, बाल निक्षय साथी एक ऐसा छात्र है जो स्कूल में अपने सहपाठियो और स्कूल के अन्य छात्रों में टीबी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। बाल निक्षय साथी टीबी जागरूकता सत्रों का नेतृत्व करेंगे, विभिन्न टीबी से संबंधित गतिविधियों के लिए शिक्षकों और टीबी चौंपियंस के साथ समन्वय करेंगे और टीबी से जुडे मिथकों से संबंधित आवश्यक जानकारी जैसे क्षय रोग के प्रति जागरूकता लाने में सहयोग प्रदान करेंगे। वे स्कूलों में 'जानते हो ना' अभियान के एक छोटे संस्करण का नेतृत्व करेंगे और लक्षणों की जानकारी देकर एवं छात्रों को चिकित्सा परामर्श लेने के लिए प्रेरित कर संभावित क्षय रोगियों की पहचान में भी सहायता करेंगे। उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला से 4 बाल निक्षय साथी की पहचान की गई है। बाल नि-क्षय साथी के नाम इस प्रकार हैं इस दौरान प्रभारी डीपीसी श्री गौरव साहू, एसटीएस श्री मुकुल तुमराम, प्रभारी टी.बी.एच.व्ही. भूपेन्द्र चौधरी एवं डी.ई.ओ. दीपक तिवारी उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत ने किया खेत तलाब के कार्य का अवलोकन.....

मण्डला। पखवार भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने मनरेगा के अंतर्गत खेत तालाब के प्रगतिरत कार्य का अवलोकन किया। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों से खेत तालाब के इनलेट और आउटलेट के विषय में जानकारी ली। मजदूरों और हितग्राही से कार्य के विषय में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तालाब में मत्स्य पालन भी किया जा सकता है, यह अतिरिक्त आय का साधन होगा। खेत तालाब की मेढ़ पर अरहर सहित अन्य फसलों की पैदावार लें। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत भागचंद्र टिमहरिया सहित संबंधित उपस्थित रहे।

जीवमात्र के कल्याण का साधन है श्रीमद् भागवत कथा

मण्डला। जिले के महिष्मति घाट में चल रहे श्री अष्ट लक्ष्मी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस प्रवचन करते हुए भागवत रसिक श्री नीलू महाराज जी ने कहा भगवान के चरणों में जितना समय बीत जाए उतना अच्छा है। संसार में एक-एक पल बहुत कीमती है। जो बीत गया उसे जाने दें। इसलिए जीवन को व्यर्थ में बर्बाद नहीं करना चाहिए। भगवान द्वारा प्रदान किए गए जीवन को भगवान के साथ और भगवान के सत्संग में ही व्यतीत करना चाहिए। इस संसार में जो भगवान का भजन न कर सके वह सबसे बड़ा भाग्यहीन है। भगवान इस धरती पर बार-बार इसलिए आते हैं ताकि हम कलयुग में उनकी कथाओं का आनंद ले सकें और कथाओं के माध्यम से अपना चित्त शुद्ध कर सकें। भागवत कथा चुंबक की तरह काम करती है जो मनुष्य के मन को अपनी ओर खींचती है। इसके माध्यम से हमारा मन भगवान से लग जाता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने मात्र से ही जीव का कल्याण हो जाता है। जो व्यक्ति भागवत सुनता है उसका अहंकार दूर हो जाता है।

आचार्य जी के विनयांजलि कार्यक्रम में भैया जी की प्रमुख भूमिका

मण्डला। भोपाल में युग प्रणेता आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रथम स्मृति दिवस 6 फरवरी 2025 को विधान सभा में 108 मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के सानिध्य में विनयांजली का कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में हमारे म.प्र. मुख्यमंत्री मोहन यादव, सांसद आलोक शर्मा, विधायक , उद्योग मंत्री श्री कश्यप केन्द्रीय मंत्री जी, गृह मंत्री जी ज्योतिराज सिंधिया आदि और भी मंत्री गण उपस्थित रहे। हमारे मंडला नगर के गौरव बा .ब्र. अभय भैया जी प्रतिष्ठाचार्य पद पर भोपाल में मुनि श्री प्रमाण सागर जी ससंघ के सानिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव के प्रतिष्ठाचार्य रहे साथ में बा. ब्र अशोक भैया जी प्रतिष्ठाचार्य पद पर रहे। मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में पंचकल्याणक महा महोत्सव सानंद संपन्न हुआ उस समय भी सभी मंत्री गण उपस्थित रहे सभी ने अपने विचार व्यक्त किए और शंका समाधान में भी मुनि श्री से 20 फरवरी 2025 में समाधान भी मुनि श्री के मुख से मिला। तत्पश्चात मुनि श्री की आज्ञा से अनुभव सराफ परिवार को कलश हमारे मंडला नगर के गौरव अभय भैया जी द्वारा प्रदान किया गया।

बैठक | **महाशिवरात्री, होली सहित अन्य त्यौहार को शांति एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मनाएं।**

ध्वनि प्रदूषण पर पर्याप्त नियंत्रण करने के निर्देश

*** यातायात बाधित करने पर होगी कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

महाशिवरात्री, होली एवं आगामी त्यौहार के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि जिलेवासी महाशिवरात्री, होली सहित अन्य त्यौहार को शांति एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मनाएं। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीओपी पीयुष मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जेपी यादव, मंडला एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम में ध्वनि प्रदूषण पर पर्याप्त नियंत्रण रखें। साथ ही वातावरण को भी सकारात्मक रखें। होलिका दहन मुख्य मार्गों पर अथवा सार्वजनिक चौराहों के बीच में न करें। बिजली एवं टेलीफोन के तार को नुकसान न हो। अंजान व्यक्ति पर जबरन रंग या गुलाल न डालें। आपत्तिजनक नारेबाजी, उद्घोष न करें। विधिवत अनुमति प्राप्त कर ही निर्धारित मार्ग से ही रैली, जुलूश निकालें। आवागमन अवरूद्ध न होने दें। आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था हेतु एम्बूलेंस, पैरामेडीकल टीम तथा फायरब्रिगेड तैनात रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। साम्प्रदायिक सद्भाव कायम रखते हुए सौहाद्रपूर्ण वातावरण में पर्व मनायें। परीक्षा के दृष्टिगत कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पालन करें। पर्व के दौरान निर्धारित स्थान पर ही भण्डारा आयोजित किया जाए, भंडारा में प्लास्टिक के दौना पत्तल का उपयोग न करें। आयोजित भंडारे के पश्चात समिति स्वयं कचरा साफ कराए। पर्व के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित कर यातायात को नियंत्रित रखा जाए। पार्किंग व्यवस्था रखी जावे। महाशिवरात्रि पर्व में घाटों में साफ-सफाई, पानी एवं प्रकाश व्यवस्था रखी जाए। घाटों में गोताखोर, मोटरबोट आदि की व्यवस्था रखी जावे। ईद-उल-फितर-मस्जिद-कब्रिस्तान के आस-पास पूर्णतः साफ-सफाई, पानी एवं प्रकाश व्यवस्था रखी जावे। होली पर्व में मिट्टी से बनी प्रतिमा एवं जैविक रंगों का ही उपयोग किया जाए। पी.ओ.पी. की मूर्ति, केमिकल व रासायनिक रंगों का उपयोग न किया जाए। होलिका दहन सुरक्षित स्थान पर हो, (मुख्य मार्ग/चौराहों पर) आवागमन बाधित न हो। बिजली के तार के नीचे होलिका दहन न हो। पर्व के दौरान अन्य सम्प्रदाय या धर्म स्थलों के समक्ष अनावश्यक नारेबाजी/उद्घोष न किया जाए। पर्व के दौरान रात्रि में पुलिस गस्त किया जाए। चिकित्सीय दल उपलब्ध रहना/कंट्रोल रूम में फायर बिग्रेड रखा जाए। पर्व के दौरान आयोजित कार्यक्रम में सावधानियां एवं सुरक्षा व्यवस्था हो।

संजीवनी क्लिनिक नैनपुर से चोरी गये माल मशरूका की चंद घंटों में बरामदगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दिनांक 21.02.2025 को थाना नैनपुर अंतर्गत पुराना अस्पताल स्थित संजीवनी क्लिनिक नैनपुर में अज्ञात चोर व्दारा खिड़की तोड़कर अंदर घुसकर रखे सामान चोरी करने की रिपोर्ट प्राप्त हुई। उक्त रिपोर्ट पर से थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 71/2025 धारा 305, 331(4) बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया मामले में अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर के निर्देशन में थाना प्रभारी नैनपुर के व्दारा उक्त चोरी में संलिप्त आरोपियों का पता लगाकर गिरफ्तार करने हेतु 6 सदस्यीय टीम का गठन किया गया। टीम व्दारा अज्ञात आरोपियों के संबंध में लगातार मुखबीरों से जानकारी प्राप्त कर तलाश पतासाजी की गई। इस दौरान पुलिस टीम को चोरों के संबंध में अहम जानकारी प्राप्त हुई। प्राप्त जानकारी जिसमें गणेश उर्फ बी मरकाम पिता मुनिम मरकाम उम्र 22 साल निवासी वार्ड नं. 15 नैनपुर, विक्रम उर्फ भूरा पिता कमोद साहू उम्र 24 साल निवासी वार्ड नं. 15 नैनपुर एवं पवन लिल्हारे पिता मारूति लिल्हारे उम्र 48 साल निवासी वार्ड नं. 1 गौरी शंकर नगर बूढ़ी बालाघाट जिला बालाघाट हाल वार्ड नं. 14 सीताराम टोला नैनपुर के चोरी करने की जानकारी मिलने पर टीम व्दारा तीनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर घटना स्वीकार किये तथा घटना में चोरी की सम्मत्ति 1 एल.ई.टी. मानिटर, 1 नग दरी 12*20 कुल किमती 30,000/- रूपये का मशरूका जप्त किया गया। आरोपियों के विरूध्द पूर्व में चोरी, हत्या और मारपीट, आर्म्स एक्ट के अपराध पंजीबध्द है। उक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।

आरोपियों के अपराधिक रिकार्ड-

1. पवन लिल्हारे पिता मारूति लिल्हारे उम्र 48 साल निवासी वार्ड नं. 1 गौरी शंकर नगर बूढ़ी बालाघाट जिला बालाघाट हाल वार्ड नं. 14 सीताराम टोला नैनपुर के चोरी करने की जानकारी मिलने पर टीम व्दारा तीनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर घटना स्वीकार किये तथा घटना में चोरी की सम्मत्ति 1 एल.ई.टी. मानिटर, 1 नग दरी 12*20 कुल किमती 30,000/- रूपये का मशरूका जप्त किया गया। आरोपियों के विरूध्द पूर्व में चोरी, हत्या और मारपीट, आर्म्स एक्ट के अपराध पंजीबध्द है। उक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।

2. गणेश उर्फ बी मरकाम पिता मुनिम मरकाम उम्र 22 साल निवासी वार्ड नं. 15 नैनपुर के विरूध्द 4 अपराध पंजीबध्द है ।

3. विक्रम उर्फ भूरा पिता कमोद साहू उम्र 24 साल निवासी वार्ड नं. 15 नैनपुर के विरूध्द 3 अपराध पंजीबध्द है ।

खबर संक्षेप

कौड़िया क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का परिणाम अपराधिक घटनाओं में इंजाफा..

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस समय क्षेत्र में पूर्णरूप से आराजकता का माहौल निर्मित होता जा रहा है, इसे पुलिस की उदासीनता कहा जावे या फिर मिलीभगत? अब सच्चाई जो भी मगर इस समय कौड़िया सहित कई गांवों में खुलेआम जहां अफीम व गांजे की अवैध बिक्री हो रही है। वही क्षेत्र में स्मैक जैसा जहर ने भी अपने पैर पसारना शुरू कर दिया है, जिसके कारण इसकी गिरप्त में कई युवक आते जा रहे है? जनचर्चाओं से पता चल रहा है कि इन अवैध धंधों के चलते ही क्षेत्र में देह व्यापार का धंधा भी खुलेआम पनपने हुये दिखाई देते हुये जान पड़ रहा है, जिसका खुला नजारा बाहर से आने वाली छैल छबीली युवतियाँ लोगों के खेतों पर बने कुओं के मकानों व अन्य स्थानों पर अपनी फीस के बदले सेवाएं देने की जनचर्चाएं आम बन चुकी है? आम जन की माने तो यह युवतियाँ शहरों से आकर क्षेत्र का महौल बिगड़ने में पीछे नही, क्योंकि इनकी सुन्दरता के चलते युवक इनकी एक मुस्कान के दीवाने होकर बर्बादी की कगार पर जा रहे है। इस संबंध में पुलिस की भूमिका को लेकर लोगों का कहना है कि या तो पुलिस उदासीन हो रही है या फिर पुलिस की मिलीभगत का ही परिणाम है जिसके कारण कौड़िया क्षेत्र में यह सब खुलेआम चल रहा है। जिस प्रकार से कौड़िया सहित आस पास के क्षेत्र में खुलेआम मादक पदार्थों की बिक्री, देह व्यापार व क्षेत्र में जुआ सहित सट्टे का अवैध कारोबार धडल्ले के साथ चल रहा है और पुलिस को पता न हो ऐसा होना मुश्किल है? इससे यह बात पूर्णरूप से स्पष्ट नजर आ रही है कि इस प्रकार के कृत्य बगैर पुलिस की मिली भगत से संभव नही हो सकते है? जिस प्रकार से यह कृत्य हो रहे है, इन्ही का परिणाम है कि क्षेत्र में चोरी जैसे व अन्य अपराधिक घटनाएं भी घटित हो रही है, यदि समय रहते पुलिस अधिकारियों द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर एक कौड़िया क्षेत्र स्मैक पावडर व अन्य मदाक पदार्थों के साथ साथ देह व्यापार का एक प्रमुख गढ़ बन जावेगा।

शासकीय चिकित्सालय की बाउंड्री के पास शारबियों की जमघट से हो रही परेशानी?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आये दिन स्थानीय पुलिस थाने में आयोजित होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारियों द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए बड़ी बड़ी बाते तो की जाती है? मगर यदि उन्हें सच्चाई में देखा जावे तो सिर्फ वह बाते उसी बैठक तक ही सीमित होती हुई नजर आने से नही चूक पाती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में नगर में दिखाई दे रही है, लोगों का कहना है कि स्थानीय खेल ग्राउंड व स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के पास बनी नई बाउन्ड्री बाल के पास प्रतिदिन शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है,जिसके कारण इन स्थानों से निकलने वाले लोगों को जहा परिशानियों का सामना करना पड़ता है, वही यदि इस मार्ग से कोई भूलबस महिलाओं का निकलना होता है तो इन शराबियों की छीटाकशी के चलते उसे अपमानित तक होना पड़ता है? वही शासकीय चिकित्सालय की बाउन्ड्री के पास लग रहे शराबियों के जामवड़ा से तो वहा निवास करने वाले लोगों को परेशानी उठाना ही पड़ रही है, तथा दूसरी ओर पास में बने बंजारी माता पर दर्शन करने जाने वाली माँ बहिनों को भी इनको मनचनों की छीटाकशी का शिकार होकर अपमान का कड़वा घूट पीना पडं रहा है? जब भी बैठक का आयोजन होता है तो पुलिस अधिकारियों द्वारा शराबियों की मनमानी से निजात दिलाने के दाबे किये जाते है, मगर पुलिस बैठक के बाद उदासीन होकर मात्र तामशा देखते हुए नजर आती है? वर्तमान में इन शराबियों की हुड दग्ग लीला से शासकीय चिकित्सालय के पास निवास करने वाले लोगो परेशान हो रहे है मगर पुलिस को सूचना करने के बाद भी कोई कार्यवाही नही होने के कारण शराबियों की हौसले अपने सातवे आसमान पर दिखाई दे रहे है।

लगभग डेढ़ साल पहले दिनदहाड़े युवती को जबरन उठाकर ले जाने के बाद दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को न्यायालय ने सुनाई दस वर्ष के कारावास सहित अर्थ दंड की सजा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भले ही अपराध करने वाले व्यक्ति अपने बचाव को लेकर कितने भी प्रयास करे मगर जब मामला विद्यवान न्यायाधीश के समझ पहुंचता है तो वहां पर दूध का दूध व पानी का पानी होने से नही चूकता है और अपराधियों को सजा मिलकर रहती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस स्थानीय न्यायालय में उस समय देखने मिली जब लगभग डेढ़ साल पहले यानि की 8 मई 2023 को नगर में दिन दहाड़े युवती को उठाकर ले जाते हुये उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले मामले का निर्णय सुनाते हुये मा. विद्यवान न्यायाधीश द्वारा आरोपी को दस साल के कारावास सहित अर्थ दंड की सजा से दंडित किये जाने का निर्णय सुनाया गया है। स्थानीय न्यायाल के द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मा. डा. अंजली पारे द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 47/2023 में निर्णय सुनाते हुये अभियुक्त राजेन्द्र उर्फ राजन उर्फ रोनी पिता बब्बू उर्फ बाबू लाल कुचबंदिया उम्र 27 साल निवासी हनुमान वार्ड गाडरवारा को दस साल कारावास व 17 हजार रूपया के अंर्थ दंड से दंडित किया गया है। इस प्रकरण में शासन की ओर से अपर लोक अभियोजन पवन अग्रवाल द्वारा पैरवी की गई थी। वही संपूर्ण मामले की विवेचना निष्ठावान माने जाने वाली अधिकारी व तत्कालीन नगर निरीक्षक राजपाल सिंह बघेल द्वारा की गई थी। वही पवन अग्रवाल द्वारा बताये अनुसार एक साल नौ माह पहले यानि की 8 मई 2023 को दोपहर 1.30 बजे जब एक युवती अपने काम से कही जा रही थी उसी दौरान नगर के नगर पालिका कार्यालय के पीछे बने हुये कांजी में युवती को राजेन्द्र कुचबंदिया द्वारा जबरन ले जाते हुये उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के साथ साथ उसका गला दवाते हुये जान से मारने की कोशिश की गई। वही किसी को बताने या फिर रिर्पोट किये जाने पर जान से मारने की धमकी दिये जाने के

चलते जहां युवती दहशत में आ गई थी। मगर इसके उपरांत किसी भी तरह जब युवती द्वारा पुलिस थाने में शिकायत की गई तो तत्कालीन नगर निरीक्षक राजपाल सिंह बघेल द्वारा मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ भा.द.वि. की धारा 366, 342, 376, 323 एवं 506 भाग-दो के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया। वही घटना के चंद घंटों के उपरांत तत्कालीन टीआई राजपाल सिंह बघेल की टीम द्वारा आरोपी के फरार होने के पहले ही उसे गिरप्तार करते हुये मा.न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। वही तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक सचि पाठक के मार्ग दर्शन में टीआई राजपाल बघेल द्वारा इस मामले का अंतिम प्रतिवदेन मा.न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। इस तरह मामले का सत्र प्रकरण क्रमांक 40/2023 का विचरण द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गाडरवारा मा. डॉ. अंजली पारे के न्यायालय में हुआ। वही प्रकरण विचारण के दौरान न्यायालय के समक्ष आई अभियोजन साक्ष्य एवं अभियोजन के तर्को से सहमत होते हुये द्वितीय अतिरिक्त सत्र विद्यवान न्यायाधीश गाडरवारा मा. डा अंजली पारे द्वारा आरोपी राजेन्द्र उर्फ राजन उर्फ रोनी कुचबंदिया को धारा 366 भा.द.वि. में 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3000 रूपया के अर्थदंड, धारा 342 भा.द.वि. में 1 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000 रूपया का अर्थदंड, धारा 376 भा.द.वि. में 10 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 10 हजार रूपया के अर्थदंड तथा धारा 323 भा.द.वि. में 6 माह का सश्रम कारावास एवं 1 हजार रूपया के अर्थदंड एवं धारा 506 भाग-दो भा.द.वि. में 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक जार रूपया के दंड से दंडित करने का निर्णय दिया गया है। इस तरह दिन दहाड़े जान से मारने की धमकी देते हुये युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी राजेन्द्र कुचबंदिया को कुल मिलाकर 10 वर्ष के कारावास एवं 17 हजार रूपया के अर्थ दंड से दंडित करने का निर्णय सुनाया गया है। इस प्रकरण में युवती को न्यायालय दिलाने के लिये अभियोजक की ओर से अपर लोक अभियोजक पवन अग्रवाल द्वारा मा.न्यायालय के समक्ष पेश की गई तर्को से सहमत होते हुये न्यायालय ने सजा सुनाई गई। ज्ञात हो कि नगर के इतिहास से शायद इस तरह की पहली घटना होगी जब किसी मनचलें द्वारा इस तरह दिन दहाड़े रास्ते से जा रही युवती को उठाते हुये उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसके चलते नगर में चारों ओर आक्रोश का महौल पैदा होने के चलते अनेक समाजसेवी संगठनों द्वारा इस मामले में आरोपी के खिलाफ ज्ञापन देते हुये सख्त कार्यवाही की मांग की जा रही थी। वही दूसरी ओर घटना की सच्चाई उजागर होते हुये तत्कालीन नगर निरीक्षक राजपाल सिंह बघेल द्वारा अपनी गंभीरता का परिचय देते हुये शिकायत के चंद घंटो के ही अंदर ही आरोपी को गिरप्तार करते हुये जेल भेजने में कोई कसर नही छोड़ी थी। वही दूसरी ओर राजस्व तथा नगर पालिका प्रशासन द्वारा भी आरोपी के शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करते हुये बनाये गये दो मंजिला भवन पर 16 मई 2023 को बुलडोजर चलाते हुये तोड़ने की कार्यवाही की गई थी। क्योंकि जब नगर में पहलीवार किसी आरोपी के आवास को तोड़ने की पहलीबार कार्यवाही होने की जब लोगों को जानकारी मिली तो लोगों को हुजूम उमड़ने से नही चूक पाया था जिसके चलते मौके पर प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाने के लिये नगर सहित बाहर के अन्य पुलिस थानों से भारी पुलिस बल बुलाया गया था। इस तरह नगर में चर्चा का विषय बन चुके इस मामले के निर्णय को लेकर शुरूआत से ही चर्चा का विषय बना हुआ था। वही दूसरी ओर जब मा.न्यायाधीश द्वारा इस मामले का निर्णय देते हुये आरोपी को सजा सुनाई तो न्यायालय के पास भी लोगों का हुजूम उमड़ते हुये दिखाई देने से नही चूक पाया था।

कई एकड़ जमीन और नलकूप सहित पक्के घर में होने के बाद भी गरीबों की सूची में नाम जुड़वाकर, गरीबों के हक पर किया जा रहा है अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। शासन की योजनाओं में मनमानी करना शायद अधिकारियो का आदत में बनता जा रहा है और इसी का परिणाम है कि सरकार द्वारा गरीबों का उद्वार करने के उद्वेश्य से चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी गरीबों की स्थिति जहां की तहां है ओर आपत्र जरूर धनवान बनने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इस बात की सच्चाई नगर सहित जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में देखने मिल सकती है जहां पर बताया जाता है कि जिस तरह से गरीबी रेखा व अति गरीबी रेखा सूची में लापरवाही की गई है, उससे पात्र लोगों के नाम तो नही जुड़े नही है, किन्तु अपात्रों के नाम अवश्य जोड़ दिये गये है? जिसके चलते शासन की योजनाओं के चलते गरीबों को मिलने वाले हक का उपयोग अपात्र लोग आसानी से उठाते हुए देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर वास्तविक पात्र हितग्राही रोजी रोटी की तलाश में भटकने के लिए मजबूर हो रहे है? यदि इस क्षेत्र की गरीबी व अतिगरीबी रेखा सूची पर गौर किया जावे तो अनेक गांवों में इस प्रकार के लोग मिल सकते है जिनके कई एकड़ खेतों में बने हुए नककूप्पों में मोटरे चल रही है और वह गरीबी रेखा की योजनाओं के हकदार बनते हुए शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए लाइनों में सबसे पहले दिखाई देते है? यदि इमानदारी के साथ इस क्षेत्र की गरीबी रेखा सूची का ईमानदारी के साथ निरीक्षण किया जावे तो अनेक पंचायतों में इस प्रकार के गरीब मिल सकते है जो कई एकड़ जमीन के कास्तकारो होने के साथ साथ जिनकी पक्की बिल्डिग बनी हुई बिल्ड्गों से कूलरों की डंडी हवाये निकल रही है, उन लोगों को इस सूची में शामिल करना अधिकारियों की लापरवाही या फिर प्रभावशालियों के दबाव का नतीजा ही माना जा सकता है? जिसके चलते अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा शासन के आदेशों को दर किनार करते हुए गरीबों की योजनाओं के हकदार साधन संपन्नों को बना दिया गया है? जबकि गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक भूमिहीन गरीब इस प्रकार से घूमते हुए देखे जा सकता है जो शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जहां अधिकारियों के चक्कर काटने के लिए मजबूर देखे जा रहे है? जिस प्रकार की कार्य प्रणाली के चलते शासन की योजनाओं में पलीता लगाया जाना आम हो चुका है, जो गरीबों का हक अमीरों के लिए वरदान बना हुआ है? क्षेत्र वासियों का कहना है कि एक ओर जहां सरकार तो खुलीमंचों से गरीबों को लाभ देने की बात कह रही है मगर उन गरीबों को उनकी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र बनने ही नही दिया जा रहा है, यदि यहां की सूचियों की जांच की जावे तो गरीबों रेखा में ऐसे लोग पाये जा सकते है जिनके खेतों की सिंचाई करने के लिए कई नलकूपों से पानी निकाल रह है और वह गरीबी रेखा के माध्यम से सरकार द्वारा गरीबो के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर अतिक्रमण किये बैठे हुए है।

आखिरकार सालीचौका क्षेत्र में मिट्टी का अवैध खनन करने वालों को किसका मिल रहा है संरक्षण, लगातार सच्चाई उजागर होने के बाद भी कार्यवाही न होना बना चर्चा का विषय..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर शासन ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा माफियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के आदेश जारी किये जा रहे है तो दूसरी ओर खुलेआम हो रहे शासकीय भूमि के अवैध उतखन्न को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों के साथ यहां के पेहरेदारों द्वारा चुप्पी साधते हुये सच्चाई को नजर अदांज किया जा रहा है। वह निश्चित तौर से इन अधिकारियों कार्य प्रणाली को संरक्षण की मुद्रा में आने से नही चूक पा रही है...? क्योंकि क्षेत्र में देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से लगातार मिट्टी का अवैध खनन करते हुये लोगों द्वारा राजस्व को क्षति पहुंचाते हुये अपनी जेबे भरी जा रही है उसे प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जाना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है..? इस बात की सच्चाई इस समय सालीचौका नही सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है जहां पर भूमाफियों द्वारा खुलेआम शासकीय भूमि से मिट्टी खुदाई कराते हुये जिस प्रकार से इस जहां तहां मौत का कुंआ बनाये जा रहें है उसके चलते क्षेत्रवासियों का भविष्य में खतरा पैदा करने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? बताया जाता है कि सालीचौका क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में सरकारी भूमि सहित कुछ लोगों द्वारा निजी भूमि पर बड़े स्तर से मिट्टी का अवैध खनन करते हुये अन्य जगहों पर ट्रेक्टर ट्रालियों सहित डम्फरों के माध्यम से परिवहन किये जाने के बाद भी अधिकारियों की चुप्पी सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है वही दूसरी ओर सबाल यह पैदा हो रहा है कि कही ऐसा तो नही की इस अवैध कार्य के लिये जक्ष्मी की वर्षा होने के चलते सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा हो..? इस तरह शासकीय जमीन पर जेबीसी मशीन के माध्यम से जिस स्तर से मिट्टी की खुदाई करते हुये प्रतिदिन सैकड़ो ट्रेक्टरों के माध्यम से इस मिट्टी का परिवहन किया जा रहा है उसके चलते जहां तहां मौत के कुंआ नजर आने से नही चूक रहे है। वही स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि मिट्टी खनन वालो द्वारा न तो बिजली लाईनों की सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है और न ही मुख्य मार्गो से लेकर किसानों के खेतों का जिसके चलते बिजली लाईनों के खम्बे भी असुरक्षित दिखाई देने लगे है। इस तरह सालीचौका क्षेत्र में नियम विरूद्व मिट्टी खुदाई कराते हुये कुछ लोगों द्वारा इस मिट्टी का अवैध व्यापार किये जाने की चर्चाए सुनाई पड़ रही है..? इस तरह कई फुट गहरी खुदाई करते हुये निकाली जा रही शासकीय सरकारी व निजी भूमि की मिट्टी के चलते जहां क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों सहित पशुओं की जिन्दगी को खतरा पैदा तो हो ही रहा है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी असुरक्षित दिखाई देने से नही चूक पा रही है? सालीचौका क्षेत्र में चल रहे मिट्टी के अवैध खनन के संबंध में तहसील स्तर से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों सहित खनिज विभाग के अधिकारियों को इस तरह चल त चल रहे अवैध खनन से अवगत कराते हुये पूछा गया कि आखिरकार इस तरह मिट्टी का अवैध खनन किसकी अनुमति से चल रहा है तो सभी अधिकारियों द्वारा अपनी ओर से अनविज्ञता जाहिर करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? इस तरह धड़ल्ले ये चल रहे मिट्टी के अवैध खनन को लेकर अधिकारियों द्वारा अपनी ओर से अनविज्ञता जाहिर करने से यह बात उजागर होने से नही चूक पा रही है कि यह खुदाई अवैध रूप से चल रही है। मगर इसके बाद कार्यवाही न होना निश्चित तौर से अधिकारियों की भूमिका को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक पा रही है? जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि किसी भी प्रकार से सार्वजनिक मुख्य मार्ग के किनारे या फिर शासकीय संस्था के पास मिट्टी खनन करना नियम के विपरीत माना जाता है? मगर इसके बाद भी यहां पर चल रही मिट्टी की खुदाई को लेकर न तो स्थानीय स्तर के अधिकारियों द्वारा रोक लगाई जा रही है और न ही तहसील से लेकर जिला स्तर पर बैठे अधिकारियों सहित पुलिस के जिम्मेदारो द्वारा जिसके चलते मिट्टी खनन होने के चलते खुदाई क्षेत्र बिकराल रूप धारण करते हुये मौत का कुंआ बनने से नही चूक पा रहा है..? वही दूसरी ओर अधिसकारियों को इस सच्चाई से अवगत कराये जाने के बाद भी किसी भी प्रकार से इस अवैध खनन पर रोक लगाने संबंधी कार्यवाही न होना चर्चा का विषय बनने के साथ साथ यह सबाल खड़ा करने से नही चूक पा रहा है कि मीड़िया द्वारा लगातार सच्चाई को उजागर किये जाने के बाद भी कार्यवाही न होने से लोगों के दिलों में यह सबाल पैदा होते हुये दिखाई दे रहा है कि आखिकार इतने बडे स्तर पर मिट्टी का अवैध खनन किसके संरक्षण में चल रहा है, जिस पर कार्यवाही करने के नाम पर अधिकारियों को चेहरों पर भी ठंड के मौसम में पसीने की बूंदे महसूस होते हुये जान पड़ रही है।

मेढ़ बंधान योजना की मलाई से लाल पड़ रहे अधिकारी व पंचायतों के जनप्रतिनिधि, जांच

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। निश्चित तौर से सरकार द्वारा आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुये अनेक प्रकार की योजनाये तो बनाई जाती है। मगर उनका लाभ तिहग्राहियों को मिलने की जगह अधिकारियों के लिये दुधारू गाय साबित होने से नही चूकते है..? कुछ इसी तरह की योजना काफी लम्बे समय पहले सरकार द्वारा मेढ़ बंधान को लेकर शुरू की गई थी। मगर इस योजना का लाभ क्षेत्र के कितने किसानों को मिला यह जांच का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..? यदि इस योजना की सच्चाई गांवों में जाकर देखा जावे तो किसी तरह अधिकारियों से लेकर पंचायत के कर्ताधर्ताओं के लिये दूधारू गाय साबित हुई है कि योजना के नाम पर सरकार के लाखों रूपया खर्च होने के बाद भी मेढ़ बंधान खेतों की जगह कागजों पर ही देखने मिलते हुये जान पड़ रहा है? ग्राम पंचायतों के माध्यम से संचालित होने वाली मेढ़ बंधान योजना को लेकर बताया जाता है कि इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर किये जाने वाले पंचायतों द्वारा मेंढ बंधान योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहते हुए देखी जा रही है। इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील के अंतर्गत जनपद पंचायत चीचली व सांईखेडा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर पंचायतों द्वारा किसानों के खेतो पर जिस प्रकार से मेढ़ बंधान कार्य कराते हुए पैसा निकाला गया है? बताया जाता है कि शासन की मेढ़ बंधान के कार्यो में जमकर अनियमितातायों जानकारियाँ मिलना अब आम बात हो चुकी है। जिसकी मलाई से जहां बिदाई ले चुके और नये डेढ़ साल पहले पंचायतों की कुर्सी संभालने वाले पंचायतों के जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारी लाल पड़ रहे है और वही दूसरी ओर अधिकारी भी काजू कतरी खाने से नही चूक रहे है? क्योंकि जहां एक तरफ शासन लाखों करोड़ों रूपये मेढ बंधान के नाम पर खर्च कर रही वही दूसरी ओर यह कार्य जनपद स्तर के अधिकारियों के सहयोग व सरपंच सचिव की कारगुजरियों के चलते यह योजना कागजों में ज्यादा शोभा बढा रही है? बताया जाता है कि बैंको में मजदूरों के भुगतान की व्यवस्था तो शासन द्वारा की गई है। किंतु बैकों में ऐसे खातें भी खोले गये है जो ग्रामों के वह प्रभावशाली व संपन्न कृषक शामिल है जो कभी पंचायत द्वारा कराये जा रहे कार्यो में जाकर खड़े तक नही हुये है। किंतु बैंको में सबसे पहले भुगतान इन्ही का होता है? क्योंकि अनेक पंचायतों में अधिकारियों व ग्राहक सेवा केन्द्र के नाम पर संचालित होने वाली क्यूसक बैकों के माध्यम से पंचायतों में इसी तरह गोलमाल किये किये जाने की चर्चाए लगातार सुनाई देने लगी है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पंचायत के बीते हुये कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचायतों द्वारा कराये गये नये कार्य के दौरान क्षेत्र की अनेक पंचायतो के रिकार्ड में मेढ बंधान के कार्य व भुगतान ऐसे कृषकों के नाम पर भी दर्ज है जिनके खेतों में मेढ़ बधान का कार्य ही नही हुआ है। इतना ही नही यदि कार्यो का मूल्यांकन भी संबंधित अधिकारी मौके पर न जाकर जनपद में ही बैठकर कर किया गया है। यदि मस्टर रोल में दर्ज नाम व पंचायतों की भुगतान पर्ची की निष्पक्ष जांच हो जाये तो सारी स्थिति अपने आप ही स्पष्ट हो जावेगी की किस तरह मेढ बंधान के कार्यो में बंदरबाट हुआ है, जिससे पंचायतों के सरपंचों सहित विभागीय अधिकारियों के चेहरा भी बेनकाब होने से नही बच पायेगे? यदि पंचातयों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचातयों में रोजगार गारंटी योजना के कार्यो में भी सैकड़ों की तादाद में फर्जी जाब कार्ड भरकर उन खातेदारों के खातों में राशि जमाकर बंदरबाट होने संबंधी शिकायत आये दिन ग्रामीणों द्वारा किये जाने के बाद भी जांच करने की जगह अधिकारियों द्वारा सरपंच सचिव से सीधे संपर्क कर संबंधित अधिकारी अपने स्वार्थ की रोटी सेकने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इतना ही नही जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि यदि किसी पंचायत की शिकायत हो जाती है तो अधिकारी के लिए अतिरक्त आय का दरबाजा खुल खुलने से नही चूकता है? ऐसे प्रकरण क्षेत्र की पंचायतों में आये दिन सुनने को मिलते रहते है। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक पंचायतों का हाल बेहाल है, जहां धनवान व सपन्न कृषक बैंको से मजदूर बन कर भुगतान ले रहे है और वास्तविक मजदूरो का शोषण हो रहा है, जिसे सही मायने में देखा जावे तो सरकार की अधिकांश योजनाएं कागजो में ज्यादा शोभा बढ़ा रही है? ऐसा नही है कि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को नही है, यह सब पंचायती राज की लक्ष्मी लीला अधिकारियों की मिलीभगत की ही देन का परिणाम है कि साईकिलों पर सबार होकर चुनाव लड़ने वाले अनेक पंचातयों के सरपंच चंद वर्षो में स्कार्पियों पर घूमते हुए दिखाई देने लगते है, जिसके चलते शासन की राशि का अधिकारियों की मिलीभगत के चलते बंदरबांट होते हुए दिखाई देने लगा है।

नाम परिवर्तन सूचना

रजनीश कौरव आ. श्री कन्हैयालाल कौरव निवासी ग्राम गरधा, तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर म. प्र. द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुये बताया है कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूँ। यह है कि मेरी पुत्री रिधी कौरव का जन्म कामायनी मेटरनिटी एंड नर्सिंग होम नरसिंहपुर में जन्म दिनांक 12/06/2011 को हुआ है तथा नगर पालिका नरसिंहपुर से मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र भी बनाकर प्रदान कर दिया गया है। जिसमें मेरी पुत्री का नाम रिधी की जगह रिद्वी कौरव दर्ज है जो गलत है। जबकि मेरी पुत्री का सही नाम रिधी कौरव माँ का नाम सोना कौरव, पिता का नाम रजनीश कौरव जन्म स्थान कामायनी मेटरनिटी एवं नर्सिंग होम नरसिंहपुर पता मु. गरधा, पोस्ट खुरसीपार, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर का सुधार कर प्रदान किया जावे। शपथ कर्ता शासन के सभी नियम एवं शर्तो का पालन करने तैयार है। रिद्वी कौरव एवं रिधी कौरव मेरी पुत्री के ही नाम है दो अलग अलग नही है।

शपथकर्ता
रजनीश कौरव आ. श्री कन्हैयालाल कौरव
निवासी गरधा तहसील गाडरवारा,
जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने गोपालपुर में पीएमजीएसवाय के निर्माणाधीन कार्यों का लिया जायजा

डिंडौरी। कलेक्टर ने जनपद पंचायत करंजिया में ग्राम पंचायत गोपालपुर में पीएमजीएसवाय के प्रगतिरत कार्यों का जायजा लिया उन्होंने गोपालपुर में सिवनी नदी पर बन रहे 90 मीटर के ब्रिज निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लैब टेस्टिंग, कॉलम के मध्य की दूरी, लैब रिपोर्ट, गुणवत्ता सहित आदि की जानकारी ली,उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को जून माह से पहले प्रोजेक्ट को पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम बजाग वैद्यनाथ वासनिक, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रोजगार गारंटी में काम दिलाने की मांग

डिंडौरी। जिले की तहसील बजाग के अंतर्गत ग्राम पंचायत आमाडोगरी के ग्रामीण ने रोजगार गारंटी में काम दिलाने की मांग को लेकर कलेक्टर को आवेदन दिया है। दिए गए आवेदन में संतोष कुमार पिता गहरू लाल यादव ने लेख किया कि मेरा जाब कार्ड कमाक 233ए, मेरे भाई संगराम यादव का जाब कार्ड कमांक 428 और सिगंराम यादव का जाब कार्ड कमांक 382 है। ग्राम पंचायत आमाडोगरी के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक के द्वारा जाब कार्ड बना के दे दिया गया है लेकिन ग्राम पंचायत सरपंच के द्वारा बोला जा रहा है कि मेरे रहते हुए तुम्हारे परिवार के किसी भी सदस्यों को रोजगार गारंटी के तहत काम नहीं दिया जायेगा। ग्राम पंचायत में रोजगार गारंटी के तहत कार्य न मिलने के कारण मै एवं मेरे परिवार को पायलन करने को मजबूर होना पड रहा है। आवेदक ने बताया कि पूर्व में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजाग को 23-02-2024 को आवेदन प्रस्तुत किया गया था लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं की गई है। आवेदक ने मांग की है कि ग्राम पंचायत आमाडोगरी में रोजगार गारंटी के तहत काम दिलवाया जाए।

एकीकृत माध्यमिक विद्यालय बाँकी में पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना का किया गया सामाजिक अंकेक्षण कार्य

शहपुरा । शहपुरा क्षेत्र ग्राम पंचायत बाँकी में एकीकृत माध्यमिक विद्यालय बाँकी में दिनांक 22/02/2025 दिन शनिवार को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना का सामाजिक अंकेक्षण कार्य किया गया जिसकी रिपोर्ट वाचन के लिए विशेष ग्राम सभा दिनांक 22/02/2025 को शाला परिसर बाँकी में ग्राम सभा अध्यक्ष सुदर्शन बनवासी विद्यालय स्टॉफ शाला प्रबंधन समिति,मध्यान भोजन समूह ,बच्चों के पालक , नोडल अधिकारी एवं सचिव सरपंच रोजगार सचिव ग्राम पंचायत नागरिकों की उपस्थिति में किया गया जिसमें प्रधान मंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में प्राप्त अनियमितताओं का वाचन किया गया एवं सर्व सहमति से रिपोर्ट तैयार किया गया। इस दौरान व्ही एस ए रोहित बर्मन टेक चंद साहू मौजूद रहे।

होटल, लॉज के संचालकों को थाने में देनी होगी ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी

अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने आदेश जारी कर कहा है कि जिला अनूपपुर अन्तर्गत होटल, लॉज एवं किराये के मकान अत्यधिक संख्या में संचालित है, जिनमें बाहरी व्यक्ति आकर ठहरते हैं एवं किराये के मकान में निवास करते हैं। जिला अन्तर्गत संचालित होटल, लॉज, धर्मशाला, रैन बसेरा में आने वाले एवं निवास करने वाले समस्त व्यक्तियों की विधिवत जानकारी सम्बन्धित थानों में देना आवश्यक है।

दो रेंजों में 204 गिद्धों की मौजूदगी दर्ज, गिद्धों की संख्या में वृद्धि

डिंडौरी ।

मध्य प्रदेश शासन वन विभाग और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) मप्र भोपाल के निर्देशन में गिद्ध गणना अभियान के तहत जिले के तीन वन परिक्षेत्र में तीन दिनों तक गिद्धों की गणना की गई।सोमवार से बुधवार तक तक चले इस अभियान में जिले के जंगलों में गिद्धों की संख्या का आंकलन किया गया, जिसमें कुल 204 गिद्धों की पहचान की गई।जिसमे पिछले साल के मुकाबले गिद्धों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। गत वर्ष जिले में लगभग 185 गिद्धों की गणना की गई थी। वर्तमान में की गई गिनती के परिणामों में शाहपुर रेंज में सबसे ज्यादा 141 गिद्धों की उपस्थिति दर्ज की गई।वहीं वन परिक्षेत्र उत्तर समनापुर में 63 गिद्ध पाये गये हैं। जबकि मेहंदवानी रेंज में कोई गिद्ध नहीं पाया गया है।यह आंकड़ा जिले में गिद्धों की सबसे अधिक संख्या शाहपुर रेंज के जंगलों में दर्शाता है। इसके साथ ही अन्य रेंजों में गिद्धों की मौजूदगी नहीं पाई गई है।उप वनमंडल अधिकारी एस के जाटव से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को रेंज उत्तर समनापुर में 21 और शाहपुर में 51,मंगलवार को उत्तर समनापुर में 35 और शाहपुर में 48,बुधवार को उत्तर समनापुर में 7 और शाहपुर में 42 गिध्दों की गिनती की गई है।जिले के जंगल मे गिध्दों की संख्या में वृद्धि पर्यावरण के लिए शुभ संकेत है।वन अमले ने गिद्धों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों के संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया

है।बताया गया है कि गिद्ध, जो मृत प्राणियों का सफाया करते हैं, पर्यावरण की स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और रोगों के प्रसार को नियंत्रित करते हैं।

सुबह 6 से 8 बजे तक चली गणना

उप वनमंडल अधिकारी एस के जाटव ने बतलाया कि तीन दिनों तक लगभग 225 वन कर्मियों ने गिध्दों के प्राकृतिक आवास और व्यवहार के मद्देनजर सुबह 6 बजे से 8 बजे तक बैठे हुये गिध्दों की गणना की गई है।इस दौरान उनके घोंसलों के अक्षांश देशांश के चित्र संग्रहित किए।बताया गया है कि जिले में वाइट रंजम वर्जर प्रजाति के गिद्ध पाये गये हैं।जानकारी के मुताबिक पूरे विश्व मे 23 प्रजाति

के गिद्ध पाए जाते हैं। जबकि प्रदेश में 9 प्रजाति के गिद्ध पाये जाते हैं। इनमें इंडियन वल्चर, सफेद पीठ राजगिद्ध, सफेद इजीशियन गिद्ध, काला सिनेरियस, यूरेशियन गिद्ध शामिल हैं।वन अधिकारियों के अनुसार जटाऊ के पौराणिक महत्व से जुड़ा गिद्ध एक मात्र पक्षी है।जिसने हमारे देश की आर्थिक, सामाजिक व्यवस्था को जमकर प्रभावित किया है। गिद्ध पक्षी ने हमारी आर्थिक व्यवस्था पर दखल दिया है। गिद्ध के विलुप्ति के कारण आर्थिक,सामाजिक एव पर्यावरणीय प्रभाव पड़े हैं।गिद्ध गणना दल में शामिल वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि सूर्य उदय होते ही गिद्ध अपना घोसला छोड़ देते हैं तथा भोजन को तलाशने निकल जाते हैं।यह ऊंची पहाड़ियों पर घोसला बनाते हैं।

कलेक्टर ने एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सैलवार के निर्माणाधीन भवन का किया निरीक्षण

डिंडौरी ।

कलेक्टर ने जनपद पंचायत करंजिया के ग्राम सैलवार में एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के लेआउट डिजाइन का अवलोकन किया। जिसमें बताया गया कि 10 अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए भवन का निर्माण पीआईयू विभाग के द्वारा किया जा रहा है, भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। कलेक्टर ने विद्यालय के लिए बनायी जा रही स्मार्ट क्लास रूम, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, पेयजल, वेंटीलेशन, फर्नीचर, शौचालय आदि मूलभूत व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए ले आउट डिजाइन के आधार पर निर्माण कार्य का जायजा लिया,उन्होंने इंस्पेक्शन रिपोर्ट, टेस्ट रिपोर्ट का मुआयना कर गुणवत्ता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सीलिंग फिनिशिंग, नल की गुणवत्ता, खिड़की के कांच,पेयजल व्यवस्था के लिए बनाई संरचना आदि उचित नहीं पाए गए। कलेक्टर निर्देशित करते हुए कहा कि अपेक्षित सुधार वाली सभी संरचनाओं में सुधार कार्य जल्द पूरा करवाये, प्राथमिकता के साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर नेहा मारव्या ने निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए निर्देश दिए,उन्होंने कहा कि थर्ड पार्टी निरीक्षण करवाना सुनिश्चित करें और प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। साथ ही सुधार कार्य पूरा होने और जाँच प्रतिवेदन के बाद ही सम्बंधित निर्माणकर्ता का भुगतान करें। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम बजाग वैद्यनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पीएचई विभाग और ठेकेदार की मनमानी आयी सामने ग्राम पंचायत घुसिया का मामला

डिंडौरी ।

जिले में अफसरों की लापरवाही एवं मनमानी के चलते सरकार की महत्वाकांछी जल जीवन मिषन योजना पूरी तरह दम तोड़ते हुए नजर आ रही है। जिले में ऐसे कई गांव है जहां जल जीवन मिषन योजना के तहत निर्माण कार्य के नाम पर विभाग के द्वारा सिर्फ गढ्डा ही खोदा गया है या सोपीस के तौर पर घरों में स्टैंड खडे कर दिये है और गांव में पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है। लापरवाही और मनमानी का ऐसा आलम है कि नेताओं और अधिकारियों की सहपरस्ती के चलते ठेकेदार जल जीवन मिषन योजना को पलीता लगा रहे है । इसका उदाहरण जनपद पंचायत डिण्डौरी की ग्राम पंचायत घुसिया माल का है जहां लगभग दो साल पहले टंकी निर्माण और पाईप लाईन बिछाई जा रही थी जहां लोगों को उम्मीद थी कि उन्हे शुद्ध पेय जल उपलब्ध हो पायेगा। लेकिन पीएचई विभाग और ठेकेदार की मनमानी के चलते ग्रामींणों को पेय जल

उपलब्ध नही हो पा रहा है। विगत दिन ग्रामींणों ने इसकी लिखित षिकायत भी की है ग्रामींणों ने उल्लेख किया है कि विगत दो वर्षो से नल जल योजना का कार्य चल रहा है लेकिन आज तक किसी भी मोहल्ले में पानी की सप्लाई शुरू नही हो पायी है। सोपीस के तौर पर पानी की टंकी बना दी गई है और ग्राम पंचायत का ऊमर टोला मोहल्ला में बगैर पाईप लाईन बिछाये घरों में स्टैंड खडे कर टोंटी लगा दी गई है जिससे ग्रामींण अपने आप को ठगा महसूस कर रहे है।गर्मी की शुरूआत होते ही ग्राम में जल संकट गहराने लगता है पूर्व के सालों में तो आलम यह था कि ग्रामींण कुंआ के आस पास ही रात भर सोते थे और अल सुबह पानी के लिए जद्दोजहद शुरू हो जाती थी। ग्रामींण एक गुंडी पानी के लिए 20 से 25 फीट कुंआ के भीतर नीचे उतरकर पानी भरते थे । लेकिन जल जीवन मिषन के तहत जब गांव में टंकी निर्माण और पाईप लाईन बिछाने का काम शुरू हुआ तो उम्मीद थी कि शीघ्र ही ग्रामीणों को पेय जल संकट से निजात मिलेगी । लेकिन ऐसा दिखाई नही दे रहा है।

अंतर्राज्यीय महिला चोर गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश 6 आरोपी गिरफ्तार, चौकी वेंकटनगर पुलिस की कार्यवाही

अनूपपुर।

20 फरवरी को फरियादी मो. इकबाल पिता इस्माईल शेख उम्र 45 वर्ष निवासी गोरखपुर वार्ड क्र. 14 गौरेला जिला जीपीएम छ.ग. के द्वारा सूचना दी गई कि बाजार मे दुकान लगाकर रेडीमेंट कपडे का धंधा करता हूं। 20 फरवरी को मैं वेंकटनगर बाजार मे गणेश गुप्ता के बगल में दुकान लगाया था तभी मेरी दुकान में 4/5 महिलाएं आई थी उस समय 5.30 बजे थे। कपडा दिखाने के लिये बोली तो उनको पेन्ट शर्ट दिखाया तो कपडे देख रही थी मै दूसरे ग्राहक को कपडे दिखाने लगा तब तक महिलाएं चली गई मै सामान कपडे देखा तो पांच नग जीन्स पेन्ट एवं 03 नग शर्ट कीमती 2700 रुपए के नही थे उसी समय मेरी दुकान के पास पूजा चौधरी सिंहपुर की बताई कि मेरा पर्स चोरी हो गया पर्स मे विवो कम्पनी का मोबाईल और 400 रुपए नगदी थी तथा कपडा दुकानदार अखिलेश कुमार नामदेव बताया कि मेरी दुकान मे भी 6 बजे शाम करीब पांच महिलाएं आई थी साडी पेटीकोट, स्टाल देख रही थी। 5 नग साडी, 2 स्टाल दो पेटीकोट नही है कुल कीमती करीब 16000 रुपये का चोरी हो गया है। तब सभी लोग मिलकर एवं निहाल अहमद, अक्कू केशवानी के साथ महिलाओं की तलाश किये। वेंकटनगर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक मोती उर्र रहमान, अति.पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी, एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के निर्देशन मे थाना प्रभारी जैतहरी उनि विपुल शुक्ला के मार्गदर्शन मे तत्परता दिखाते हुये जनसहयोग एंव दुकानदारो के सहयोग से वेंकटनगर पुलिस द्वारा चोरी के गिरोह को पता लगाकर पकडा गया जिसमे आरोपी बाबी बाई, रीना बसोर, रंजीत बसोर तीनो निवासी ग्राम सलका थाना बैंकुठपुर जिला कोरिया, फुलकुंवर बसोर, सोनकुंवर बसोर, रूपा बसोर तीनो निवासी चंपाझार थाना पटना जिला कोरिया (छ.ग.) से पूछताछ की गई जो साप्ताहिक बाजार मे आकर दुकानदारो की दुकान मे भीडभाड मे घुसकर सामान चोरी करना बताये एवं मौका पाकर पर्स मोबाईल चोरी करने बताये जो आरोपियों के कब्जे से चोरी गया मोबाईल, पर्स, नगदी, साडी जींस पेन्ट स्टाल पेटीकोट कुल कीमती 16000 का नगदी एवं सामान जप्त कर आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही मे उनि अमरलाल यादव चौकी प्रभारी वेंकटनगर, प्रआर सुखदेवराम भगत, आर बलराम पेकरा, सोनू पर्ते, म.प्र.आर लेखनवती, प्रआर रामेश्वर सिंह सहयोग सराहनीय रहा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए जारी निरीक्षण रोस्टर की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा,एसडीएम बजाग वैद्यनाथ वासनिक, सीएमएचओ डॉ रमेश मरावी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के निर्देशानुसार सभी विभाग प्रमुखों ने इस सप्ताह जिले के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। जिसके प्रतिवेदन पर आज कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने स्वास्थ्य केन्द्रों की वस्तुस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने भवन की स्थिति, मरम्मत योग्य भवन, किराये में संचालित भवन, बिजली उपलब्धता, पेयजल उपलब्धता, बॉउंड्री वाल, पहुंच मार्ग, आवश्यक जाँच उपलब्धता, स्टाफ की मौजूदगी, दवाई उपलब्धता, टीकाकरण सुविधा, संस्थागत प्रसव, अपशिष्ट प्रबंधन, पंजी सहित अन्य मानकों की समीक्षा की। निरीक्षण के लिए आवंटित स्वास्थ्य केंद्रों के अनुसार सम्बंधित अधिकारियों ने जाँच में पायी गयी समस्या और सुझाव को प्रस्तुत किया। जाँच के दौरान अधिकारियों ने पेयजल समस्या, भवन समस्या, स्टाफ की कमी, अपशिष्ट प्रबंधन सहित अन्य मुद्दों को प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने सीएमएचओ को निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षण में पायी कमियों में सुधार लाना सुनिश्चित करें, फोटो युक्त स्टाफ पटल की सूची दीवार पर पेंट करवाये, सभी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध जाँच टेस्ट की सूची चस्पा करवायें, उन्होंने सीएमएचओ को स्वास्थ्य केंद्र के स्टॉक रजिस्टर सहित सभी प्रकार के रजिस्टर प्रबंधित करने एवं एक्सपायरी डेट की दवाई के सम्बन्ध में आदेश जारी करने के लिए निर्देशित किया।

कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफ को मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करवायें। उन्होंने कहा कि जिन स्वास्थ्य केंद्र के लिए भवन की स्वीकृति आ चुकी है, उनके लिए आवश्यक अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित करें, साथ ही स्वास्थ्य सुधार से सम्बंधित सभी विभाग से समन्वय कर स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्था को दुरुस्त करें।

कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने कहा कि निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए अधिकारी कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए, उन्होंने अपशिष्ट प्रबंधन, जाँच उपकरण,पेयजल उपलब्धता आदि व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराने के आवश्यक निर्देश दिए, जिसके लिए सुधार कार्यों में प्रगति की समीक्षा एक माह बाद की जाएगी।

कलेक्ट्रेट परिसर की दीदी आजीविका कैंटीन पर ताला, महिला स्व-सहायता समूहों की आत्मनिर्भरता पर संकट

अनूपपुर।

जिले के संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में लाखों रुपये की लागत से तैयार की गई दीदी आजीविका कैंटीन, जिसे महिला स्व-सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया था, आज वीरान पड़ी है। इस कैंटीन का उद्घाटन स्वयं कलेक्टर चंद्रमोहन ठाकुर ने 15 फरवरी 2021 को किया था, लेकिन आज इस पर ताले लटके हुए हैं। यह स्थिति न केवल सरकारी योजनाओं की लचर क्रियान्वयन प्रणाली पर सवाल खड़े करती है, बल्कि उन महिलाओं के भविष्य को भी अंधकारमय बनाती है जिन्होंने इस पहल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का सपना देखा था। महिला समूहों को रोजगार और आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से यह योजना बनाई गई थी, लेकिन अब यह भवन सूनसान पड़ा है। गौरतलब है कि कैंटीन खुलने से पहले 27 शासकीय विभागों के कर्मचारियों एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को नाश्ता और चाय के लिए बाहर जाना पड़ता था। कैंटीन के शुरू होने से उन्हें यह सुविधा परिसर में ही उपलब्ध हो गई थी, लेकिन अब एक बार फिर वे उसी स्थिति में लौट आए हैं। जब यह कैंटीन खोली गई थी, तब प्रशासन ने इसे स्व-सहायता समूहों की आत्मनिर्भरता की मिसाल बताया था, लेकिन अब जब यह बंद हो चुकी है, तो प्रशासन इस पर ध्यान देने को तैयार नहीं है। यह एक गतिविधि आधारित योजना है, जिसमें जैतहरी विकास खंड के आजीविका के पांच-पांच अधिकारी और कर्मचारी कार्यरत हैं और जैतहरी विकास खण्ड का यह एकमात्र गतिविधि आधारित केंद्र है इसके बावजूद यह बंद पड़ी है। आश्चर्य की बात यह है कि जिला पंचायत कार्यालय और जिला पंचायत में ही आजीविका कार्यालय के प्रमुख भी बैठते हैं, जिनके अधीन संबंधित अधिकारी कार्यरत हैं, फिर भी इस कैंटीन को पुनः संचालित करने की कोई पहल नहीं की जा रही है। इस कैंटीन का संचालन जैतहरी विकासखंड के आजीविका स्व-सहायता समूह द्वारा किया जाता रहा। लंबे समय से यह कैंटीन बंद पड़ी है। जब कभी यह खुलती भी है तो अनियमितता और अव्यवस्थाओं के बीच संचालित होती है। यहां महिलाओं की सहभागिता नगण्य होती जा रही है और संचालन की जिम्मेदारी पुरुषों के हाथों में आ गई है। अगर जिला मुख्यालय में ही ऐसी स्थिति बनी हुई है, तो मुख्यालय से दूर आजीविका योजनाओं की स्थिति कैसी होगी, इसकी कल्पना करना मुश्किल नहीं है।क्या यह सरकारी योजनाओं की विफलता का एक और उदाहरण नहीं है? यह केवल रोजगार का सवाल नहीं है, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के संघर्ष और सरकारी योजनाओं की साख का भी मामला है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

10

जबलपुर, रविवार 23 फरवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी के निर्वाचन आज

सिवनी। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के त्रिवर्षिक निर्वाचन 23 फरवरी को सरस्वती शिशु मंदिर भैरोगंज सिवनी में संपन्न होंगे।जिले के चुनाव संयोजक अनिल शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के संविधान के अनुसार प्रत्येक 3 वर्ष में निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न की जाती है ।इसी कड़ी में विगत दिनों जिले की नगर, विकासखंड एवं तहसील कार्यकारिणी के निर्वाचन संपन्न हुए हैं। अन्य कार्यकारिणी से चुने हुए पदाधिकारी जिला कार्यकारिणी के निर्वाचन में मतदाता के रूप में चिन्हित होंगे।चुनाव प्रक्रिया प्रातः 11 से प्रारंभ होगी। 12 बजे तक नामांकन फार्म भरे जाएंगे। 12 बजे से1 बजे तक जांच होगी तथा 1. 30 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 2.30 बजे तक अभ्यर्थियों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा ।यदि आवश्यक हुआ तो 3 बजे से 5 बजे तक मतदान संपन्न होगा ।मतगणना मतदान केंद्र पर ही होगी और यह प्रक्रिया पूर्ण होने तक कार्रवाई जारी रहेगी। प्रांत की ओर से राजेंद्र सरबरे पांडुरना निर्वाचन अधिकारी एवं आशीष तिवारी जबलपुर पर्यवेक्षक के रूप में इस कार्य को संपन्न करेंगे।

जिले के चुनाव संयोजक अनिल शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के संविधान के अनुसार प्रत्येक 3 वर्ष में सभी कार्यकारिणी के निर्वाचन संपन्न किए जाते हैं। जिले की कार्यकारिणी में एक अध्यक्ष एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष, छः उपाध्यक्ष, छः सह सचिव आठ कार्यकारिणी सदस्य एवं दो मनोनीत सदस्य चुने जाएंगे।

सड़क हादसे में दो घायल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। घंसौर के केवलारी गांव के पास रात को एक सड़क हादसा हुआ। बाइक और साइकिल की टक्कर में दो लोग घायल हो गए। घायलों में 55 वर्षीय प्रीतम यादव और 40 वर्षीय दिमाद सिंह सैयाम शामिल हैं। प्रीतम यादव केवलारी निवासी साइकिल से घंसौर जा रहे थे। वहीं जोगीवाडा निवासी दिमाद सिंह बाइक से पहाड़ी की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की सूचना घंसौर पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी।

हाई स्कूल के 15047 एवं हायर सेकेण्डरी के 12295 परीक्षार्थी होंगे सम्मिलित

87 परीक्षा केंद्रों हेतु गोपनीय सामग्री का वितरण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में हाई स्कूल कक्षा दसवीं की 27 फरवरी एवं बारहवीं की 25 फरवरी से माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा की गोपनीय सामग्री प्रश्न पत्र उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवम्-मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जिले के हाई स्कूल हायर सेकेण्डरी के 87 परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्ष को समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर से वितरित की गई। जिला नोडल अधिकारी मण्डल परीक्षा मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत दलीप कुमार की उपस्थिति में समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के स्ट्रांग रूम का ताला खोलकर गोपनीय सामग्री का वितरण प्रारंभ किया गया। गोपनीय सामग्री वितरण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार, योजना अधिकारी जी के नायक, समन्वय संस्था प्राचार्य जी एस पटेल, सहायक समन्वयक बोर्ड परीक्षा डॉ अशोक उदेनिया, प्राचार्य डा एस के पाल, गोविंद बड़कुर,माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के प्रतिनिधि अकरम खान, सईद अख्तर , नियुक्त मण्डल परीक्षा सदस्य श्रीमती भारती ठाकुर, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा वितरण स्थल पर गोपनीय सामग्री का अवलोकन कर वितरण व्यवस्था का सतत अवलोकन किया गया। परीक्षा वर्ग प्रभारी सबल पटेल ने बताया कि 87परीक्षा केंद्र की हाई स्कूल हायर सेकेण्डरी परीक्षा की गोपनीय सामग्री को रूट अनुसार संबंधित परीक्षा केंद्र के पुलिस थानों हेतु पुलिस अभिरक्षा में रवाना किया गया। गोपनीय परीक्षा सामग्री वितरण के दौरान वितरण व्यवस्था में तहसीलदार, संजय मसराम,परीक्षा वर्ग प्रभारी सबल पटेल एपीसी समग्र शिक्षा दीपक अग्निहोत्री, मुकेश साहू प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, मनीष कटारे,एन एस रघुवंशी, दीपक पटेल ,यशवंत नामदेव, धनीराम मेहरा, भूपेंद्र जगेत, उत्तर पुस्तिकाओं के वितरण में प्रशांत पटेरिया, रूपेश भालसे, राजकुमार लोधी, कार्तिक यादव स्ट्रांग रूम से गोपनीय सामग्री वितरण में वर्षा पाण्डेय, श्रीमती मधु चैकसे, गीता विश्वकर्मा, शिवानी चैरसिया, आशीष दुबे,अन्य सामग्री वितरण में नारायण सोनी,, चंद्रिका दुबे, गुलशाना उस्मानी हीरालाल पटेल, पंकज उमरे, निशा मिश्रा, विजय सेन दीपेश साहू का सहयोग रहा। जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार द्वारा परीक्षा की सुचिता को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण हेतु जिला स्तर,विकासखंड स्तर पर निरीक्षण दल तैयार किए गए हैं।

मातृभाषा मात्र भाषा नहीं जीवन जीने की कला का नाम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बच्चा जन्म लेकर जब बोलना सीखता तो उसकी प्रथम बोली और भाषा वही होती जिसमें उसकी मां उससे बात करती और उसे बोलना सिखाती है। भाषा ही सम्पर्क का वह माध्यम जिसके द्वारा कोई भी व्यक्ति परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व से जुड़ता है और यदि यह भाषा ही न हो तो कोई किसी से सार्थक शाब्दिक संवाद नहीं कर सकता है। हर देश और प्रदेश की अपनी एक अलग भाषा होती तो इस आधार पर दुनिया भर में अनेक भाषाएं बोली व समझी जाती हैं जिन्हें सम्मान देने के लिए 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग व भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के सयुंक्त तत्वाधान में प्राचार्य आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम तकनीकी युग में मातृभाषा का अस्तित्व एवं चुनौतियां विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता इंदु सिंह व पुष्पा विश्वकर्मा के सरंक्षण में आयोजित की गई जिसमें शिवानी डेहरिया, आशीष कुमार व आरती चैधरी ने क्रमशरू प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात प्रश्न मंच प्रतियोगिता डॉ अमित ताम्रकार और राज ढिमोले के मार्गदर्शन में प्रारम्भ हुई जिसमें भूमि दुबे, कोनक तिवारी, नितिन जाटव क्रमशरू प्रथम द्वितीय और तृतीय विजेता बने। अगले क्रम में शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषा की भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता डॉ नमिता साहू, डॉ भावना मेहता व गजेंद्र सिंह के निर्देशन में हुई जिसमें ललिता द्विवेदी, राज ढिमोले व कमलेश कहार ने क्रमश प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल कर अपना स्थान सुनिश्चित किया। तत्पश्चात भारतीय भाषाएं व भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें डॉ नमिता साहू ने अपने सारगर्भित विचारों द्वारा विषय पर बेहतरीन ढंग से प्रकाश डाला तो डॉ सतीश दुबे ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मातृभाषा सहित अन्य भाषाओं की भी जानकारी दी। विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किये गए व डॉ अमित ताम्रकार ने आभार प्रदर्शन किया।

टीएलएम प्रदर्शनी में पीएम श्री शासकीय संजय माध्यमिक शाला को जिले में मिला दूसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पीएम श्री शासकीय संजय माध्यमिक शाला पुलिस लाइन नरसिंहपुर को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत प्री प्राइमरी स्वनिर्मित टीएलएम प्रदर्शनी में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ । शाला में पदस्थ महिला सहायिका श्रीमती राखी विश्वकर्मा ने प्रधान पाठक संजय कुमार चैबे के मार्गदर्शन में गिनती, स्वर, व्यंजन, अक्षर जोडना, अंग्रेजी एवं हिंदी वर्णमाला, आकृतियों की पहचान, सब्जियों, फलों और फूलों की पहचान, रंगों की पहचान, अंकों की पहचान, रंगों का मिलान करना, मुखोटे द्वारा कविता करवाना, घटते एवं बढ़ते क्रम की ओर आड़ी तिरछी लाइन पर बच्चों से पेंसिल चलाना आदि विषयों पर जीवंत टीएलएम तैयार किए थे । यह प्रदर्शनी राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशन पर समग्र शिक्षा अभियान, जिला शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर द्वारा जिला स्तर पर स्थानीय डाइट भवन में आयोजित की गई थी । इसमें जिले की 50 शालाओं के प्री-प्राइमरी के शिक्षक - शिक्षिकाओं ने भाग लिया था । इस प्रदर्शनी में प्री प्राइमरी पढ़ाने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं या महिला सहायिकाओं को स्वयं अपने द्वारा बच्चों को पढ़ाने समझाने एवं सिखाने के लिए उनकी उम्र एवं कक्षा के अनुरूप सहायक शिक्षण सामग्री तैयार करना थी, जिसे टीएलएम कहा जाता है। शाला की इस उपलब्धि के अवसर पर जिला शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर द्वारा महिला सहायिका श्रीमती राखी विश्वकर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया किया । विभाग के समस्त अधिकारियों के साथ-साथ शाला के प्रधान पाठक संजय चैबे, टीचर्स श्रीमती सिया झरिया, निधि वर्मा, भावना तिवारी, मुक्ति राय, नाजरा बेगम, आशा गिरे, अंजू पटेल ने शुभकामनाएं दीं।

छात्र-छात्राओं के तनाव निर्मूलन हेतु सेमिनार का आयोजन

मानसिक स्वास्थ्य पर सेमिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं के तनाव निर्मूलन हेतु सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है जिसमें परीक्षा के पूर्व छात्र-छात्राओं को स्वस्थ मस्तिष्क से परीक्षा हेतु तैयार किया जा सके। इसी क्रम में एम.आई.एम.टी कॉलेज नरसिंहपुर में मुख्य वक्ता डॉक्टर सुनील पटेल, मनोचिकित्सक, जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर द्वारा विस्तार से मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। डॉ. पटेल ने तनाव, चिंता, संवेग, भ्रम, स्वप्निल परिकल्पना, पल्पिटेशन और अत्यधिक पसीना आना आदि विषयों को समाहित करते हुए काउंसलिंग, वार्ता और उपचार आदि विषयों पर उद्बोधन प्रदान किया। सामुदायिक वार्ता तथा प्रोत्साहन को छात्र-छात्राओं के अच्छे व्यक्तित्व के लिए महिती आवश्यकता निरूपित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक अंकित श्रीवास्तव, मनोचिकित्सा विभाग, जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर तथा प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस एन राव की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया। सेमिनार में श्रीमती अनीता रघुवंशी, श्रीमती आराधना दुबे एवं लेफ्टिनेंट जितेंद्र कुमार मिश्रा सहित स्टाफ मेंबर्स तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में द्वितीय समूह में जिला ए ग्रेडिंग पर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने में नरसिंहपुर जिले को मध्यप्रदेश में द्वितीय समूह ए ग्रेडिंग प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा समय सीमा की बैठक और अन्य बैठकों में दिये गये निर्देशन में विभाग प्रमुख द्वारा सीएम हेल्पलाइन में संतुष्टि के साथ शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि जिले में माह जनवरी- 2025 में कुल 4 हजार 622 शिकायतें प्राप्त हुईं थीं, जिनका 48.32 प्रतिशत संबंधित शिकायतकर्ता से संपर्क कर संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया गया। इसके अलावा 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज 13.24 प्रतिशत, निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों का वेटेज 9.64 प्रतिशत, नॉन अटेंडेंट शिकायतों का वेटेज 9.93 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल वेटेज स्कोर 81.13 प्रतिशत रहा और जिले ने द्वितीय समूह में ए ग्रेड प्राप्त किया।

जिले में अब तक 33 हजार 609 लोगों के नाम पीएम आवास योजना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण योजना के अंतर्गत आवास प्लस- 2024 के अंतर्गत हितग्राहियों की सूची अद्यतन की जा रही है। जिले की सभी ग्राम पंचायत स्तर पर नियुक्त सर्वेयर द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से घर- घर जाकर पात्रता अनुसार हितग्राहियों के नाम प्रतीक्षा सूची में शामिल किया जा रहा है। जिले में अब तक 33 हजार 609 लोगों के नाम पोर्टल पर शामिल किये जा चुके हैं। हितग्राही स्वयं भी अपना सर्वे कर आवास एप्प के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। इसके अलावा सभी ग्रामीणजनों से पात्रतानुसार संबंधित पंचायतों में 31 मार्च 2025 तक अपना नाम शामिल करा सकते हैं। जिले में अब तक कुल 33 हजार 609 लोगों के नाम पोर्टल पर शामिल हुए हैं, जिसमें जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत 10 हजार 326, करेली के अंतर्गत 3 हजार 404, चांवरपाठा के अंतर्गत 3 हजार 162, गोटेगांव के अंतर्गत 9 हजार 519, बाबई चीचली के अंतर्गत 3 हजार 586 और सांईखेड़ा के अंतर्गत 3 हजार 612 हितग्राहियों को पात्रता सूची में शामिल किया गया है। ऐसे लोग जिनके पास मोटर चालित तीनध चार पहिया वाहन, मशीनीकृत तीन चार पहिया कृषि उपकरण, 50 हजार रूपये या उससे अधिक की क्रेडिट सीमा वाला किसान क्रेडिट कार्ड, किसी भी परिवार में सरकारी कर्मचारी के रूप में सदस्य, परिवार का कोई भी सदस्य प्रति माह 15 हजार रूपये से अधिक कमाता है, आयकरदाता, व्यवसायिक कर का भुगतान, 2.5 एकड़ या उससे अधिक सिंचित भूमि का मालिक हो, वे स्वयं सर्वे से बाहर होगें।

महाविद्यालय अधिकारी विहीन हुआ

गोटेगांव। गोटेगांव शहर में उच्च शिक्षा का एक मात्र मंदिर अपनी बेबसी पर आंसू बहा रहा है परंतु मध्यप्रदेश शासन और शासन के जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।कई वर्षों से यह महाविद्यालय प्राचार्य विहीन है।स्मरण हो कि इस महाविद्यालय में तत्कालीन प्राचार्य डॉक्टर आर पी गौतम के सेवा निवृत होने के बाद आज तक कोई प्राचार्य की नियुक्ति मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नहीं की गई।जिससे यह प्रभारियों की ऑक्सीजन पर चल रहा है।न कर्मचारियों का भविष्य है न ही अध्ययनरत छात्र और छात्राओं का कोई भविष्य है साथ ही स्टाफ की भी कमी इस महाविद्यालय में चल रही है।यह खबर कई बार मीडिया की सुर्खियां बना फिर भी शासन के कानों में जूं तक नहीं रेंगी।आखिर शासन क्या चाहता है इस महाविद्यालय में बिना राजा की फौज चल रही है कर्मचारियों को तो समय पर भी वेतन नहीं मिल पाता है।ये सभी विषय नगर के गणमान्य नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बनते जा रहे हैं।

अप डाउन पर आश्रित महाविद्यालय

गोटेगांव के शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय अधिकारियों,व्याख्याताओं और अन्य प्रतिदिन ट्रेन से अप डाउन करते हैं जिससे इस महाविद्यालय के सभी कार्य ठीक ढंग से नहीं हो पाते हैं इस महाविद्यालय का कोई नियम नहीं।अध्ययनरत छात्र एवं छात्राएं यहां वहां फिरते नजर आते हैं एक महिला अधिकारी को प्राचार्य का जिम्मा प्रभार सौंपा है जो शिथिलता वश महाविद्यालय में अपना बर्चस्व नहीं दिखा पाती हैं यदि यहां पर कोई तेज तर्रार प्राचार्य की नियुक्ति हो तो वाकई इस महाविद्यालय की खोई हुई रौनक वापिस आ सकती है इस कालेज का दुर्भाग्य ही है कि यहां पर शासन की पकड़ कमजोर है ।

कुंभ में जाने की लगी होड़

गोटेगांव। विगत दिवस गोटेगांव के श्रीधाम स्टेशन पर विगत दिनों शुक्रवार को 22177 डाउन महानगरी एक्सप्रेस में यात्रियों को प्रयागराज जाने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।विगत शुक्रवार को 22177 डाउन महानगरी एक्सप्रेस विलंब लगभग 5 घंटा 40 मिनिट के विलम्ब से श्रीधाम स्टेशन पर पहुंची जिसमें प्रयागराज कुंभ स्नान जाने वाले यात्रियों को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।ट्रेन के कोचों में बैठे पहले से यात्रियों ने इस स्टेशन पर कोच दरवाजा बंद कर लिया जिससे ट्रेन में यात्रा करने वाले श्रीधाम स्टेशन पर बहुत परेशान हुए।स्टेशन पर सुरक्षा के कोई माकूल इंतजाम भी नहीं थे जो यात्रियों की परेशानी को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें ट्रेन की बोगियों में बिठाल दें।आज यात्रियों में श्रीधाम स्टेशन पर रेल के प्रति नाराजगी देखी गई।ऐसे में कोई दुर्घटना हो तो उसका कौन जिम्मेदार होगा।कुछ यात्रियों में कहा सुनी भी हुई।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एजेंसी देना है
नरसिंहपुर जिला के अंतर्गत गोटगांव एवं श्रीधाम में हरिभूमि अखबार की एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा निधि के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
प्लाट नं. 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया,रिछाई जबलपुर (म.प्र)
मोबाइल नंबर
9340637789